Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 7, Petersburg 1875

nur im fem. सनुत्री. धियः ṚV. 10,7,4. ज्ञयंत्ती वाजं वृकृती सनुत्री 1,123, 2. — Vgl. तरुतर्, वद्वतर् u. s. w.

2. सनुतर् (von सनु) adv. VS. PRÂT. 1,165. AV. PRÂT. 2,48. TS. PRÂT. 8,8. gaṇa स्वरादि zu P. 1,1,37. चादि zu 4,57. unter den निपातितान्तर्हितनामधेयानि NAIGH. 3,25. *weg, abseits* ṚV. 9,98,11. सनुतरा च etwa *fern und nah, dort und hier* 6,51,2. mit यु *fernhalten, vertreiben* 1,92,11. 2,29,2. 6, 87,8. आराच्चिद्वेषः सनुतर्युयोतु 47,13. 10,77,6. 100,9. 102,3. mit धा dass.: आरे द्वेषांसि सनुतर्दधाम 5,45,5. 8,86,3. mit abl.: क्षेत्रादपश्यं सनुतश्चरन्तम् 5,2,4. — Vgl. सनितुम् und ἄνευ, ἄνευθε.

सनुतर (von सनु) adj. etwa *verstohlen, unvermerkt:* यः सनुतरश्चरति गोषु गच्छन् ṚV. 4,38,4. = संभक्तृतर SÂJ.

सनुत्य (von सनु) adj. P. 4,4,114 (von सनुत abgeleitet). 6,3,84, Schol. (*abseits liegend*) *verstohlen, unvermerkt* ṚV. 2,30,9. यो नः सनुत्यो अभिदासत् 6,5,4. त्यजस् 62,10.

सनुत्री s. 1. सनुतर्.

सनूदपर्वत (!) m. N. pr. eines *Berges* im Gebirge Pâripâtra HARIV. 7549. die neuere Ausg. liest aber स तस्थौ पर्वतश्रेष्ठे st. सनूदपर्वते तस्थौ.

1. सनेमि (von 1. सन; im Padap. ohne Avagraha) adv. *von jeher, allezeit, olim;* = पुराण NAIGH. 3,27. = क्षिप्रम् NIR. 12,14. सनेमि सख्यं दोधार ṚV. 1,62,9. 169,3. 4,10,7. सनेम्यस्मद्युयवन्नमीवाः 7,38,7. 56,9. 9,104,6. 105,6. भुवनानि सनेमि राजा परि याति VS. 9,25.

2. सनेमि (सऽनेमि Padap.) adj. *mit einer Felge versehen:* सनेमि चक्रमजरं वि वावृते ṚV. 1,164,14. besser zu 1. सनेमि.

सनेरु adj. von unbekannter Bed. ṚV. 10,106,8.

सनोजा (सनस् + जा) adj. *von je her seiend, ewig:* सखा ṚV. 10,26,8.

सत् (partic. von 1. अस्) 1) adj. (f. सती) *seiend; daseiend, vorhanden, anwesend* NAIGH. 3,29. NIR. 3,20. = विद्यमान AK. 3,4,14,86. H. an. 1,9. MED. t. 68. दूरादिहेव सती ṚV. 8,5,1. पात्रेव भिन्दत्सत ऐति रक्षसः 7,104,21. सतः प्रासाविषुर्मतिम् *eines jeden anwesenden* 9,21,7. 10,53,10. सतो मे *wenn ich da war, wo ich war* 27,4. पतिं सत्तं पुत्रं ब्रूयात् ÇAT. BR. 8,1,2,5. यो ऽहमस्मि स सन्यज्ञे KÂTJ. ÇR. 4,7,18. अन्यस्य सती *einem Andern gehörig* ÇAT. BR. 2,5,2,20. 4,5,5,4. TS. 2,5,2,7. सतः संतः प्रतिमानम् ṚV. 3,31,8. सदेव सोम्येदमग्र आसीदेकमेवाद्वितीयम् ḲHÂND. UP. 6,2,1. तद्धैक आहुरसदेवेदमग्र आसीदेकमेवाद्वितीयं तस्मादसतः सज्जायेत ebend. TAITT. UP. 2,6. उदाराणां तु सत्कर्म दैवतम् Spr. (II) 2975. सदप्यसत् 4201. सतो ऽपि गुणाः *vorhanden* 6795. fg. 1678. भार्या मित्रं गृहे सतः *des im Hause Weilenden* 7027. विजने ऽपि वने सती R. 2,60, 10. सत्कल्पवृक्षे वने *in dem sich* Kalpa-*Bäume befinden* ÇÂK. 171. विभवे सति M. 11,38. SÂṀKHJAK. 66. RAGH. 1,94. Spr. (II) 6700. fg. राजन्यसति 5758. प्रहृते सति M. 8,286. परेणापकृते सति MBH. 1,5985. 3, 2366. तथा कृते सति HIT. 21,9. 43,17. यथा सतः पुरुषात्केशलोमानि तथानरात्संभवतीह विश्वम् so v. a. *lebend* MUṆḌ. UP. 1,1,7. न सदिदं जगत् so v. a. *von Bestand* Spr. (II) 5249. als partic. des copulativen अस् zur Hervorhebung eines Attributs: उर्वी सती भूमिरंहूरणाभूत् ṚV. 6, 47,20. प्रियः सन् 7,68,5. तस्मात्पुरुषस्य पर्वाणि शिथिराणि सन्ति दृढानि ब्रह्मणा हि तानि धृतानि AIT. BR. 3,31. M. 5,145. पृष्टः सन्नाभिनन्दति 8,54. 216. 9,90. 173. MBH. 1,5591. माता सती पाण्डवानाम् *als Mutter* 5894. 6197. 3,2355. 2425. 2691. 2711. MEGH. 27. RAGH. 1,9. 2,61. KUMÂRAS. 4,1. 5,1. ÇÂK. 76. 146. 55,19. Spr. (II) 2850. KATHÂS. 4,82. 18,100. 210. HIT. 16,11. 34,18. LA. (III) 9,2. 16,3. 19,1. 5. 28,12. 35. 17. नाग्नि वापि कृते सति M. 5,70. धार्मिके सति राजनि 11,11. MEGH. 60. ÇUK. in LA. (III) 37,5. अगुणास्य सतः SÂṀKHJAK. 60. रसेन गलता सता (Conj.) Spr. (II) 7209. mit einem adv.: अन्यथा सत्तम् 5619. fg. नानापि सति दैवते ÂÇV. GṚHJ. 1,3,10. — b) *ächt, recht, wirklich; gut;* = सत्य, साधु, प्रशस्त (शस्त), अभ्यर्हित (अर्चित, मान्य) AK. H. an. MED. विप्रो विप्रेण सन्सता ṚV. 8,43,14. वचस् 7,104,12. सा हि श्रीरमृता सताम् (oder zu 2) a) TBR. 1,2,1,26. तत्र सत् *das ist nicht recht* KATHÂS. 46. 185. BHÂG. P. 8,9,29. चेष्टा *eine gute Handlung* Spr. (II) 6182. मति BHÂG. P. 2,4,1. गिर् 3,6,36. अपत्य ÇÂK. 188. शूद्राः so v. a. *rechtschaffen* M. 8,68. MBH. 3,16702. mit seinem nom. componirt (vgl. सच्छास्त्र u. s. w.) P. 2,1,61. सदुपाधयः BHÂSUÂP. 138. als obj. am Anfange eines comp.: सद्धीयान, सद्वादिन्, सद्यायिन्, सद्यानिन् MAITRJUP. 6,30. — 2) m. pl. a) *die Lebenden, Wesen:* वृषभः सतामसि ṚV. 2,1,3. 16,1. विश्वेषां वः सतां ज्येष्ठतमा 6,67,1. 8,23,16. — b) *gute, edle, vorzügliche, gebildete, kluge Menschen* AK. 2,7,4. H. 342. MED. HALÂJ. 2,177. M. 2. 1. 217. 3,147. 165. 4,178. 7,93. MBH. 5,5997. R. 1,1,17. 2,25,2. 30,30. 72,15. 75,34. 94,26. 102,5. MEGH. 112. RAGH. 1,10. 2,16. 3,41. 12,9. ÇÂK. 21. 111. 156. Spr. (II) 433. 756. 1281. 1705. 2069. 2314. 2485. 2578. 2589. 2996. 3434. 3782. 3800. 3909. 3941. 4060. 4141. 4349. 5277. 5423. 5714. 6091. 6693. fgg. 6780. 6782. fg. 6794. 7461. VARÂH. BṚH. S. 3,14. 12,7. KATHÂS. 18,118. RÂǴA-TAR. 3,305. 5,79. DAÇAK. 76,3. LA. (III) 1,15. 30,3. 57,12. TRIK. 1,1,1. am Anfange eines comp.: सद्विगर्हित M. 3,46. 10,84. 11,52. Spr. (II) 413. सज्जुष्ट R. 2,75,34. सद्वत्सल RAGH. 2,69. सत्संनिधान Spr. (II) 1619. सद्वृत्तिन BHÂG. P. 2,4,13. सद्नुग्रह 3,17,31. अ° *schlechte, unbedeutende Menschen* Spr. (II) 747. 754. 756. 2069. 7461. 7462 (sg.). BHÂG. P. 2,4,13. 3,17,31. असत्संपर्क Spr. (II) 7463. असद्वाचः BHÂG. P. 3,32,19. — 3) superl. सत्तम *der beste, erste, oberste unter* (gen. oder im comp. vorangehend) AK. 3,2,8. H. 1439. an. 3,474 (= श्रेष्ठ, पूज्य, साधिष्ठ). MED. m. 56 (= पूज्यतम, साधीयस्, उत्तम). HALÂJ. 4,5. AIT. BR. 2,36. 7,16. ÇAT. BR. 9,5,1,53. ÇÂṄKH. ÇR. 16,22,27. ḲHÂND. UP. 2,9,6. MBH. 1,6195. 3,14385. BHÂG. P. 1,12, 18. LA. (III) 49,3. द्विज° M. 1,33. कुरु° MBH. 1,5977. 6194. 2,261. 3, 2159. 11947. 5,6082. 7064. 7104. 7283. 7338. R. 1,2,26. 7,1. 8,4. 52,4. 2,59,1. KATHÂS. 46,216. RÂǴA-TAR. 3,459. BHÂG. P. 1,13,38. मृग° R. 3,49,25. वाजि° KATHÂS. 18,102. Vgl. विश्वसत्तम. — 4) f. सती a) *ein gutes, tugendhaftes, treues Weib* AK. 2,6,1,6. 26 (vgl. P. 4,1,127, Schol.). TRIK. 3,3,193. H. 528. an. 2,205. MED. t. 68. HALÂJ. 2,340. R. 1,1,81. KUMÂRAS. 1,21. ÇÂK. 114. Spr. (II) 3865. 6296. 6703. fg. 7160. 7520. VARÂH. BṚH. 24,4. KATHÂS. 3,14 (°वृत्त). 13,160. 29,114 (°धर्म). BHÂG. P. 3,24,23. 5,15,8. PAÑKAR. 2,1,17 (°सत्यवतीसुत). Verz. d. Oxf. H. 123,a,40. ÇUK. in LA. (III) 34,21. WILSON, Sel. Works 1,182. 2,60. 293. fgg. *Gattin* überh.: द्विज° BHÂG. P. 5,9,7. *Weibchen:* कृष्णसार° 8,3. असती *ein schlechtes, untreues Weib* Spr. (II) 748. 752. compar. सतीतरा, सतितरा und सत्तरा VOP. 7,49. — b) *eine best. wohlriechende Erdart* H. 1055. — c) N. zweier Metra: α) *4 Mal* ⏑⏑⏑– COLEBR. Misc. Ess. 2,158 (IV,4); vgl. सति 2). — β) *a. b.* ––⏑––⏑⏑–⏑––; *c. d.*

Institute of Indology & Tamil Studies, Cologne University, Germany 9.2.2007